जेर न गिरना / जेर का रुकना

रत्नेश कुमार चौधरी

"पशुपालक को गाय या भैंस में प्रसव पश्चात जेर न गिरने के जानकारी की अभाव में प्रबंधन एवं सही इलाज न करवाने पर आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। पशु का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है जिसके कारण दुध उत्पादन कम हो जाता है और एक ब्यांत से दूसरे ब्यांत का अंतराल अधिक हो जाता है। इस प्रकार गाय से वर्ष में एक बछिया/बछ़ड़ी प्राप्त नहीं होता है और पशुपालक को नुकसान का सामना करना पड़ता है। प्रस्तुत हैं जेर न गिरने के कारण और निवारण-"

जेर या प्लेसेन्टा एक झिल्ली है जो थैलीनुमा है, जो गर्भकाल के दौरान मादा पशु और बच्चे से जुड़ा होता है जिससे बच्चे को ऑक्सीजन और पोषण मिलता है।

गाय या भैंस में प्रसव के पश्चात दो से आठ घंटे के समय तक जेर गिर जाती है। अगर जेर या प्लेसेन्टा ब्याने के 8–12 घंटे पश्चात न गिरे तो यह जेर न गिरना या जेर का रूकना कहलाता है।

निम्नलिखित कारणों से जेर समय पर नहीं गिरता है।

1. गर्भकाल के दौरान संतुलित आहार नहीं देने पर।
2. आहार में खनिज लवण, विटामिन ए और ई व सिलीनियम की कमी से।
3. प्रसव के दौरान कष्ट होने पर।
4. गर्भाशय में सूजन होने पर।
5. समय से पहले ब्याने पर।
6. गर्भाशय में शिथिलता आने पर।
7. गर्भपात और ब्रुसेल्लोसिस से प्रभावित होने पर।

समय पर जेर न गिरने पर निम्नलिखित लक्षण दिखाई देते है।

1. योनि मार्ग से निकले हुए जेर का लटकना।
2. पशुओं में बेचैनी।
3. जुगाली न करना और खाना कम खाना।
4. बदबूदार स्राव योनि मार्ग से आना।
5. पशुओं का तापमान बढ़ जाना।

विषय वस्तु विशेषज्ञ (पशु विज्ञान) कृषि विज्ञान केन्द्र, किशनगंज

निम्नलिखित बचाव से जेर न गिरने की समस्या से बचा जा सकता है।

1. गर्भकाल के दौरान पशुओं को संतुलित आहार दें।
2. आहार में खनिज लवण दें, जिसमें विटामिन ए और ई के साथ सिलीनियम हो।
3. गाभिन पशुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर चलाकर ले जाना चाहिए।
4. ट्रक, ट्रेक्टर या ट्राली से ढुलाई न करें।
5. पशुओं को गर्मियों में दोपहर के समय न चलायें।

ब्याने के 14 घंटे के बाद भी गर्भाशय से जेर लटकता हुआ।

6. ऊँची–नीची जगह पर नहीं ले जायें।
7. पशुओं को साफ रखें और साफ–सुथरा जगह पर रखें।
8. पशुओं को प्रतिदिन थोड़ा–थोड़ा चलाना चाहिए, जिससे व्यायाम हो।
9. प्रसव के समय साफ जगह पर अलग स्थान पर रखें।
10. प्रसव के दौरान पेट दर्द होने पर या कोई बीमारी का लक्षण दिखने पर पशु चिकित्सक से परामर्श लें।

जेर समय पर न गिरने पर निम्नलिखित प्रबंधन एवं इलाज करवाना चाहिए।

1. जेर का जो हिस्सा निकले उसे गंदा न होने दें।
2. जेर को हाथ से न खींचे और कोई पत्थर या वजन न लटकायें।
3. पशु के पिछले हिस्से से जेर जब तक न गिरे मक्खी और गंदगी से बचायें, इसके लिए लाल दवा का घोल से अच्छी तरह धो दें।
4. बच्चे को आगे–आगे चला कर पशुओं को तेज चलायें, ।
5. गर्भकाल के समय संतुलित आहार दें साथ में खनिज मिश्रण और नमक दें।
6. प्रसव के एक माह पूर्व से विटामिन ए, ई और सिलीनियम युक्त आहार दें।
7. पशु के आगे वाले भाग को उपर रखें।
8. प्रसव के 12 घंटे तक जेर न गिरे तो पशु चिकित्सक से परामर्श लें।

''डेयरी फार्मिंग में सबसे बड़ी आर्थिक नुकसान के लिए पशुओं में बांझपन की समस्या जिम्मेदार है। पशु में बांझपन की समस्या होने पर, पशुपालक जानवर को बूचड़खानों में भेज देते हैं, जिससे पशुपालक को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

पशुपालक थोड़ी जानकारी प्राप्त कर उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के साथ–साथ वर्ष में एक बछड़ा/बछिया प्राप्त कर अच्छा लाभ हासिल कर सकते हैं।

जेर न गिरना या जेर न रुकना एक बहुत बड़ी समस्या है। उपरोक्त जानकारी से पशुपालक अपने पशु में जेर न गिरने की समस्या के साथ–साथ बड़े आर्थिक नुकसान से भी बच सकते है।